

241
23

पत्रावली जेश डुर। विपत्ती न। से
 ३ कावचुद सुपना दे बनुण। कार-
 कार काका ज दिगरी गई। उनके
 किताप सन्तरणा कापी वाही दे
 बादेश दिने जाहे थे वकीर जमी
 ने पुकरणा कावचुद पुष्पति का
 लहाकर एक पत्तीद बरदा हेतु
 निवेदन लिमा। वकीर जमी ही
 एक पत्तीद बरदा सुनी गई

13



कहा है निवेदन कि ना सि
वादागत द्वारा डीपल पुस्तकी
में एक नमूना है प्राचीन का
दिए निहित है पुत्री/प्राचीन
एक मात्र बरिदान है सिहा
जमीन को निदान करा
जाया है इयतिर मूर
वाह के निहारण तक प्र.
पड 212 का RTA का सीमा
परमाणु जमा निपसीजन के
परिणत परमाणु जमा सि
जकरन एक रंदाही

न करके। राजस्व रिपोर्ट
एवं नीले की पत्राक्षिपि
बनाये रखी जाने के बाद
परमाणु जमा।

वहीर प्राचीन द्वारा पुस्तक
प्र. पड 212 का बरिदान
किना। कहा एक पत्री पर
मकत किना। वादागत
द्वारा डीपल इतिहासिक क्षेत्र
संयुक्त बरिदारी में पड
है प्राचीन की मोखसी
रुद्धि क्षेत्र व पुस्तकी पर
क्षेत्र जना से ही प्राचीन
का एक एवं बरिदान

Om

निहित है। प्राचीन द्वारा प्रकृत
प्र. पत्र में दंड सखरे अनुसार
प्राचीन (पुत्री) एक मात्र वारिधत
है। पिता ~~का~~ प्रकृतगत
अभि को विक्रम करना चाहता
है जिससे प्राचीन (पुत्री) का
हित प्रभावित होता है।

इसलिए प्रदाय दृष्टिमा प्राप्त
प्राचीन के पत्र में निहित
है। प्राचीन द्वारा प्रकृत
प्र. पत्र प्रकृत बाद के निष्कारण
तक स्वीकार किया जाकर
विपरीतों को ~~किसी भी~~ विवेका
के पक्ष में किया जाना इति
उचित होता है। प्र. पत्र
स्वीकार किया जाना भी ज
प्रधानी की आ. नं 700, 701, 702,
705, 707, 710, 711 और क्रि. 7
खण्ड 2.43 के अन्तर्गत

विपरीतों प्रकृत बाद के निष्कारण
तक प्राचीन को देखा नहीं करे।
प्राचीन को अपने दिले कवजे की
आराजी का शांति पूर्वक उपसो
प्रयोग करने देने। सुखद दिवस
में नैवेद्य की प्रशस्ति करना
हरी अने।

निर्णय करे प्रकृत लिखा
जाकर प्रदाय गाने प्रकृत
प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत
प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत

प्र.
आयक कलेक्टर